

Date
02/05/2020

TEACHING OF SCIENCE

D. Ed. Ed. IInd Sem

Topic - Soil & Crops

Period: IIIrd

कीटनाशक और उनका उपयोग ⇒

पादपों को रोगमुक्त रखने के लिये अनेक प्रकार के दवाओं का प्रयोग किया जाता है। पेस्टीसाइड (कीटनाशक) को इन्सेक्टीसाइड, हर्बिसाइड, रोडेन्टीसाइड तथा फ-जीसाइड में विभक्त किया गया है।

डी.डी.टी., बी.एच.सी., मिथाइल पैराथियोन और क्लोराइड आदि रसायन कीटनाशक कहलते हैं।

कुछ रसायन खरपतवार को नष्ट करने के काम आते हैं, जैसे - 2,4D।

कुछ फफूँदी नाशी से फफूँद को नष्ट किया जाता है। जैसे - उओफनाल कपल आदि।

कीटनाशकों के लाभ ⇒

कीटनाशकों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि ये फसलों के लिये हानिकारक जीवाणुओं और कीट पतंगों को नष्ट कर देते हैं जिससे फसल उत्पादन में वृद्धि होती है। साथ ही खाद्य सामग्री को बर्बाद होने से रोकने में कीटनाशक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कोटनाशकों के दुष्प्रभाव ⇒

कोटनाशक यद्यपि कृषि कार्य में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होये हैं लेकिन इनके कुछ दुष्प्रभाव भी हैं। जो निम्न प्रकार हैं -

- 1 ⇒ कोटनाशकों के प्रयोग से जल प्रदूषण, थल प्रदूषण और वायु प्रदूषण में वृद्धि हो रही है।
- 2 ⇒ कोटनाशकों के अन्धाधुंध प्रयोग से मृदा के अम्लीय होकर बंजर हो जाने की सम्भावना बढ़ जाती है।
- 3 ⇒ जिन कीटों को कोटनाशकों द्वारा समाप्त कर दिया जाता है वे पुनः अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर उत्पन्न हो जाते हैं। इन्हीं कोटनाशकों का उन पर पुनः बहुत ही कम प्रभाव पड़ता है।

OM
2/5/2020